DAV PUBLIC SCHOOL, ODISHA ZONE

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र – I (2023-24)

कक्षा-आठवीं

हिन्दी (Higher)

निर्धारित समय : 1 घंटा 30 मिनट | अधिकतम अंक : **40**

सामान्य निर्देश –

(i) इस प्रश्न पत्र में 4 खंड हैं – क, ख, ग, घ ।

(ii) चारों खंडों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(iii) प्रश्न संख्या के साथ उत्तर क्रमानुसार लिखें ।

<u>खंड - क (अपठित गदयांश)</u>

1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए । (1x5)

उत्साह की गिनती अच्छे गुणों में होती है । किसी भाव के अच्छे या बुरे होने का निश्चय अधिकतर उसकी प्रवृत्ति के शुभ या अशुभ परिणाम के विचार से होता है । वही उत्साह जो कर्तव्य कर्मों में इतनी सुंदर दिखाई पड़ता है,अकर्तव्य कर्मों की ओर होने पर वैसा प्रशंसनीय नहीं प्रतीत होता । आत्मरक्षा ,पर-रक्षा,देश-रक्षा आदि के निमित्त साहस की जो उमंग देखी जाती है उसके सौंदर्य को पर-पीड़न,डकैती आदि कर्मों का साहस कभी नहीं पहुँच सकता । यह बात होते हुए भी विशुद्ध उत्साह या साहस की प्रशंसा संसार में थोड़ी-बहुत होती ही है । अबतक उत्साह का प्रधान रूप ही हमारे सामने रहा,जिसमें साहस का पूरा योग रहता है । पर कर्ममात्र के संपादन में जो तत्परतापूर्ण आनंद देखा जाता है वह उत्साह ही कहा जाता है । थोड़ा यह भी देखना चाहिए कि उत्साह में ध्यान किस पर रहता है । कर्म पर,उसके फल पर अथवा व्यक्ति या वस्तु पर ? हमारे विचार में उत्साही वीर का ध्यान आदि से अंत तक पूरी कर्मशृंखला पर से होता हुआ उसकी सफलतारूपी समाप्ति तक फैला रहता है ।सच पूछिए तो वीर के उत्साह का विजय-विधायक कर्म या युद्ध ही रहता है । दानवीर और धर्मवीर पर विचार करने से यह बात स्पष्ट हो जाती है । दान दयावश,श्रद्धावश या कीर्ति-लोभवश दिया जाता है । यदि श्रद्धावश दान दिया जा रहा है तो दान-पात्र वास्तव में श्रद्धा का और यदि दया-वश दिया जा रहा है तो पीड़ित यथार्थ में दया का विषय या आधार ठहरता है । उत्साह एक यौगिक भाव है जिसमें साहस और आनंद का मेल रहता है ।

(क) उत्साह किसे कहते हैं ?

(ख) दान देने के पीछे क्या कारण रहता है?

(ग) उत्साह में किनका मिश्रण रहता है?

(घ) उत्साही वीर का ध्यान किस पर रहता है?

(ङ) किसी भाव के अच्छे या बुरे होने का निश्चय किस पर निर्भर होता है?

खंड – ख(व्याकरण)

2. निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (1x10)

(क) किस वर्ण के स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग होता है ?

i) पहले ii) दूसरे iii) चौथे iv) पाँचवे

(ख) इनमें से किसमें ‘र’ का उचित प्रयोग है ?

i) विरदयाथी ii) शरम iii) वर्त iv) ड्रामा

(ग) ‘हर्ष’ का विलोम शब्द है –

i) निंदा ii) विषाद iii) दंड iv) प्रशंसा

(घ) इनमें से तत्सम कौन-सा है ?

i) काम ii) पैर iii) अश्रु iv) हाथ

(ङ) इनमें से तद्भव कौन-सा है ?

i) क्रोध ii) दही iii) धन iv) सुरक्षित

(च) “ ” इस विराम चिन्ह का नाम है -

i) योजक चिन्ह ii) अर्ध विराम iii) एकल उद्धरण iv) दुहरा उद्धरण

(छ) ‘अनुमान’ शब्द में मूलशब्द है -

i) अनु ii) अनू iii) अन iv) अ

(ज) ‘स्वर्गीय’ शब्द में कौन-सा प्रत्यय है -

i) ई ii) इय iii) ईय iv) अ

(झ) इनमें से किस शब्द में अनुनासिक का सही प्रयोग है -

i) बांसुरी ii) बासुँरी iii) बाँसुरी iv) बासुरीं

(ञ) ‘नायक’ का स्त्रीलिंग रूप है –

i) नाइकी ii) नायिका iii) नाइका iv) नाईका

खंड – ग (पाठ्य-पुस्तक)

3. दिए गए प्रश्नों का उत्तर एक वाक्य में लिखिए | (1x5=5)

(क) स्वर्ण श्रृंखला के बंधन में पक्षी क्या भूल गए हैं?

(ख) उत्तरी ईरान का गवर्नर बनाकर किसे भेजा गया?

(ग) शाह के कान कौन भरने लगे?

(घ) साधारण सी सर्दी-ज़ुकाम को पड़ोसी क्या बताते हैं?

(ड.) लेखक अपने दरवाज़े को किससे सुशोभित पाते हैं?

4. दिए गए प्रश्नों का उत्तर संक्षेप में (25 से 30 शब्दों में) लिखिए | (2x6=12)

(क) पक्षियों के क्या अरमान थे?

(ख) 'कटुक निबौरी' और 'कनक कटोरी' द्वारा किस ओर संकेत किया गया है?

(ग) शाह दारा को कहाँ बिठाते थे और क्यों?

(घ) अपने दरबार में दारा को रखने के पीछे शाह का क्या उद्देश्य था?

(ड.) केबल टीवी नई पीढ़ी के लिए नुकसानदेह क्यों है?

(च) महिलाएँ पड़ोसी धर्म किन चीज़ों के आदान-प्रदान द्वारा निभाती थी?

5. दिए गए प्रश्नों का उत्तर विस्तृत रूप में (40 से 50 शब्दों में) लिखिए | (3)

ईर्ष्या करना उचित है या अनुचित? अपने विचार लिखिए |

खंड-घ (लेखन)

6. दिए गए किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए | (5)

(क) आज़ादी का महत्व

- आज़ादी का स्वरूप
- आज़ादी की आवश्यकता
- आज़ादी सबकी ज़रूरत
- आज़ादी से मिलने वाले लाभ
- निष्कर्ष

(ख) हमारे पड़ोसी

- पड़ोसी से तात्पर्य
- पड़ोसी का हमारे जीवन में स्थान
- सही पड़ोसी धर्म
- निष्कर्ष